Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MD-CT-103

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination December– 2022

M.A. Darshan, Semester : First
दर्शन : प्रश्न-पत्र : तृतीय
वेदान्त-मीमांसा - I

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (3×15=45)

1. 'ब्रह्म ही उपास्य है' वेदान्त दर्शन के अनुसार सिद्ध करें।
2. 'द्युलोक पृथिवीलोक आदि का आयतन ब्रह्म है' युक्ति पूर्वक विवेचन वेदान्त दर्शन के सूत्रों के माध्यम से करें।
3. वेद की अपौरुषेयता पर प्रकाश डालें (मीमांसा दर्शन के अनुसार)।
4. वेदाध्ययन में शूद्रों का भी अधिकार है? वेदान्तदर्शनानुसार सिद्ध करें।
5. आनन्दमय शब्द से ब्रह्म ही वाच्य है? वेदान्तदर्शनानुसार सिद्ध करें।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (5×5=25)

6. "चमसवदविशेषात्" सूत्र की व्याख्या करें।
7. "आत्मकृतेः परिणामात्" सूत्र की सप्रसंग व्याख्या करें।
8. जीवात्मा के सुख दुःख से परमात्मा सुखी दुःखी होता है या नहीं? वेदान्तदर्शनानुसार स्पष्ट करें।
9. 'अक्षर नाम से ब्रह्म ही वाच्य है।' सिद्ध करें।
10. 'ब्रह्म ही जगत् के उत्पत्ति स्थिति और नाश का मुख्य कारण है।' सिद्ध करें।
11. "शास्त्रदृष्ट्या तूपदेशो वामदेववत्" की सप्रसंग व्याख्या करें।
12. धर्म का प्रमाण केवल विधिवाक्य ही क्यों है? मीमांसादर्शनानुसार सिद्ध करें।

----------X----------